SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-5-2)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप

	से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने “एनए” (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना
इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड : 61/5/2) (12-05-27N)

नोट: अंकन योजना में उल्लिखित पृष्ठ संखाएं नवीनतम एनसीईआरटी ई-पुस्तक से ली गई हैं |

प्र.सं .	मूल्यबिंदु	पृष्ठ सं .	अंक
	खण्ड क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		21x1=21
1	(C) परिसीमन कानून	283	1
2	(B) कैबिनेट मिशन	364	1
3	(D) अभिकथन(A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।	305	1
4	(B) a- iii,b-ii,c- i,d-iv	320	1
5	(C) महाराष्ट्र	347	1
6	(D) हैदराबाद	292	1
7	(A) डेविड रिकार्डो	277	1
8	(A) (I) (II) (III) सही हैं	127,128	1
9	(C) रुद्रदमन	171,173	1
10	(B)चचर	214	1
11	(B) अबुल फ़ज़ल	197	1
12	(D) संगम	173	1
13	(B) (I) (II) (III) सही हैं	147	1
14	(B) सयदी अली रेइस – तुर्की	137	1

15	(C) आनंद	92	1
16	(A) a –ii, b-iii, c-I, d-iv	1, 15	1
17	B) शाहजहां बेगम दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए (D) महाराष्ट्र	82 102	1 1
18	(D) घटोत्कच	65	1
19	(B) II,III,IV,I	50	1
20	(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है	32,34	1
21	(C) पंजाब और सिंध में शोर्तुघई की तुलना में अधिक वर्षा होती थी	7	1
	खण्ड ख **(लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		6x3=18
22	**(क) कल्पना कीजिये कि आप हड़प्पा के मनकों और आभूषणों पर शोध कर रहे हैं। इससे आप हड़प्पा शिल्प उत्पादन और उससे होने वाले व्यापार के सम्बन्ध में कौन से तीन पहलुओं को समझेंगे ? स्पष्ट कीजिये।** **हड़प्पा के मनके :** (1) मनको को बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग किया जाता था (कार्नेलियन, जैस्पर, क्रिस्टल, क्वार्ट्ज और सेलखड़ी जैसे पत्थर), (तांबा, कांसा और सोना जैसी धातुएं) और शंख,फयांस और पकी मिट्टी। (2) मनकों के आकार असंख्य थे (चक्राकार , बेलनाकार, गोलाकार, ढोलाकार, खंडित) (3)मनके उत्कीर्णन या चित्रकारी के माध्यम से सुसज्जित किये जाते थे ।	14 –11	3

	(4) सामग्री के अनुसार मोती बनाने के लिए अलग-अलग तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। (5) कार्नेलियन का लाल रंग, उत्पादन के विभिन्न चरणों पर पीले रंग के कच्चे माल को जलाकर पाया गया। घिसाई, पॉलिश करने और छेद करने से मनको और आभूषण को बनाने की प्रक्रिया पूरी होती थी। (6) नागेश्वर और बालाकोट महत्वपूर्ण उत्पादन केंद्र थे। शिल्प उत्पादन के लिए सामान की खरीद से मेसोपोटामिया, बहरीन, ओमान आदि के साथ व्यापार संबंधो का पता चलता है। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** **(ख) कल्पना कीजिये कि आप पुरातत्व विभाग के एक छात्र कार्यशाला का हिस्सा हैं, जहाँ आपको हड़प्पाकालीन शवाधानो और आभूषनो के तीन पहलुओं के बारे में समझाना है। आप अपने सहपाठियो को इसके बारे में कौन से तीन पहलू प्रस्तुत करेंगे? स्पष्ट कीजिये।** (1) हड़प्पा स्थलों में शवों को सामान्यतः गर्तों में दफनाया जाता था। (2) कुछ को ईंटों से बने गर्तों में दफ़नाया गया था। (शायद सामाजिक अंतर दिखाने के लिए) (3) कुछ कब्रों में मिट्टी के बर्तन और आभूषण मिले हैं जो शायद इस विश्वास की ओर संकेत करते हैं कि इनका उपयोग मृत्यु के बाद किया जा सकता है। (4) पुरुषों और महिलाओं दोनों के शवों में आभूषण पाए गए हैं (5) कुल मिलाकर हड़प्पावासी मृतकों के साथ बहुमूल्य वस्तुओ को दफनाने में विश्वास नहीं करते थे। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)	9	3
23	**" आरंभिक भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ईसा**	29	3

	पूर्व को प्रायः एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल माना जाता है|" इस कथन की व्याख्या कीजिये | (1) इस युग को प्रारंभिक राज्यों और शहरों के उदय से जोड़ा जाता है। (2) इस शताब्दी में लोहे के बढ़ते प्रयोग को देखा गया। (3) इस शताब्दी में सिक्कों (आहत सिक्कों) के विकास को देखा गया। (4) यह काल बौद्ध और जैन धर्म सहित विभिन्न विचार प्रणालियों के विकास का साक्षी बना। (5) इसी शताब्दी में सोलह महाजनपदों का उदय हुआ। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
24	**(क) विजयनगर साम्राज्य ने विरुपाक्ष मंदिर का विस्तार किस प्रकार किया? स्पष्ट कीजिये।** (1) सबसे प्राचीन मंदिर 9वीं शताब्दी का है, लेकिन विजयनगर साम्राज्य द्वारा इसका विस्तार किया गया। (2) मुख्य मंदिर के सामने वाला मंडप कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में बनवाया था। (3) इसे नक्काशीदार स्तंभों से सजाया गया था। पूर्वी गोपुरम के निर्माण का श्रेय भी उन्हें ही दिया जाता है। (4) मंदिर के सभागारों) मंडपों (का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता था, जैसे संगीत, नृत्य और नाटक के कार्यक्रमों का साक्षी बनने के लिए देवताओं की मूर्तियाँ रखना और देवताओं के विवाह उत्सव मनाना (5) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** **(ख) अमर -नायक प्रणाली को विजयनगर**	186-187	3

	साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज क्यों माना जाता है ? स्पष्ट कीजिये। (1) अमर - नायक सैन्य कमांडर थे, जो राय द्वारा दिए गए क्षेत्र पर शासन करते थे । (2) उन्होंने किसानों, शिल्पकारों और व्यापारियों से भूराजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे। (3) वे राजस्व का कुछ हिस्सा व्यतिगत उपयोग तथा घोड़ों और हाथियों के दल के रखरखाव के लिए रख लेते थे। (4)राजस्व के कुछ भाग का उपयोग मंदिरों के रखरखाव और सिंचाई कार्यों के लिए किया जाता था। (5)अमरनायक हर साल राजा को भेंट भेजते थे और अपनी स्वामिभक्ति दिखाने के लिए तोहफ़े लेकर खुद राजकीय दरबार में उपस्थित होते थे। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)	175-176	3
25	**मोंटेस्क्यू और कार्ल मार्क्स जैसे यूरोपीय विचारकों ने बर्नियर के भारत सम्बन्धी वर्णनों का किस प्रकार उपयोग किया? व्याख्या कीजिये।** (1) बर्नियर के भारत के विवरण का उपयोग करते हुए, फ्रांसीसी दार्शनिक मोंटेस्क्यू ने प्राच्य निरंकुश्वाद के सिद्धांत को विकसित किया (2) एशिया में शासकों को अपनी प्रजा पर पूर्ण अधिकार प्राप्त था, जिन्हें दासता और गरीबी की स्थिति में रखा जाता था। (3)सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था और निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी। (4) कार्ल मार्क्स ने 19 वीं शताब्दी में एशियाई उत्पादन शैली के सिद्धांत की अवधारणा विकसित की । (4) अधिशेष का अधिग्रहण राज्य द्वारा होता था इसे एक निष्क्रिय प्रणाली माना जाता था। (5)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)	131-132	3

26	**इस्तमरारी बंदोबस्त की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (1) इसे 1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा बंगाल में लागू किया गया था। (2) इसके तहत जमीनें ज़मींदारों को दे दी गई थीं। (3) ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्रत्येक ज़मींदार द्वारा भुगतान किए जाने वाले राजस्व को स्थायी रूप से) हमेशा के लिए (तय कर दिया था। (4) इस व्यवस्था में ज़मींदार गाँव की ज़मीन का मालिक नहीं, बल्कि राज्य के लिए राजस्व वसूलने वाला)संग्राहक (मात्र था। (5) चूँकि इस बंदोबस्त में शुरुआती राजस्व की मांग बहुत अधिक और निश्चित थी, इसलिए ज़मींदार अक्सर इसे चुकाने में विफल रहते थे। (6) यदि ज़मींदार समय पर राजस्व का भुगतान नहीं कर पाते थे, तो उनकी ज़मीन की नीलामी कर दी जाती थी) इसे 'सूर्यास्त कानून' के रूप में जाना जाता था((7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये|)	228-230	3
27	**संविधान सभा के सदस्यों द्वारा दिए गए सशक्त केंद्र पर प्रस्तुत विभिन्न तर्कों की परख कीजिए |** (1) जब से संविधान सभा के सत्र शुरू हुए थे, तब से कई अवसरों पर एक मजबूत केंद्र की आवश्यकता पर बल दिया गया था। (2) जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि शांति सुनिश्चित करने, सामान्य सरोकार के महत्वपूर्ण मामलों में समन्वय स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश के लिए प्रभावी ढंग से बोलने के लिए एक मजबूत केंद्र आवश्यक था। (3) अम्बेडकर एक ऐसा मजबूत और एकजुट केंद्र चाहते थे, जो 1935 के भारत सरकार अधिनियम के तहत बनाए	334-335	3

	गए केंद्र से भी कहीं अधिक शक्तिशाली हो। (4) सांप्रदायिक उन्माद को रोकने के लिए एक मजबूत केंद्र की आवश्यकता थी। (5) गोपालस्वामी आयंगर ने घोषित किया था कि" केंद्र को यथासंभव मजबूत बनाया जाना चाहिए।" (6) बालकृष्ण शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि केवल एक मजबूत केंद्र ही देश के कल्याण की योजना बना सकता है, उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सकता है, एक उचित प्रशासन स्थापित कर सकता है और विदेशी आक्रमण के विरुद्ध देश की रक्षा कर सकता है। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
	खण्ड ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3X8= 24**
28	**(क) प्राचीन भारत में पौराणिक हिंदू धर्म के विकास का वर्णन करें ।** (1) पौराणिक हिंदू धर्म में वैष्णववाद) जहाँ विष्णु को मुख्य देवता के रूप में पूजा जाता था (और शैववाद) जहाँ शिव को मुख्य ईश्वर माना जाता था, शामिल थे। (2) भक्त और ईश्वर के बीच के संबंध को प्रेम और समर्पण या 'भक्ति' के रूप में देखा गया। (3) वैष्णववाद में देवता के विभिन्न अवतारों के इर्द-गिर्द कई मत विकसित हुए। (4) भगवान विष्णु के दस अवतारों को मान्यता दी गई थी। ऐसा माना जाता था कि जब भी दुनिया में बुरी ताकतों के प्रभुत्व के कारण अव्यवस्था और विनाश का खतरा पैदा होता है, तब ईश्वर दुनिया की रक्षा के लिए अवतार लेते हैं। (5) देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग अवतार लोकप्रिय थे। इन स्थानीय देवताओं को विष्णु के रूप के रूप में पहचान देना, एक अधिक एकीकृत धार्मिक परंपरा बनाने का एक तरीका था। साथ ही स्थानीय देवताओं की	104-105	8

	भी पूजा की जाती थी। (6) इन रूपों को मूर्तियों में दर्शाया गया था। शिव को लिंग के रूप में प्रतीकित किया गया था, हालाँकि कभी-कभी उन्हें मानवीय रूप में भी दिखाया गया था। (7) ये मूर्तियाँ देवताओं के बारे में विचारों के एक समूह और उनकी विशेषताओं को प्रतीकों जैसे कि मुकुट, अस्त्र-शस्त्र और आभूषणों के माध्यम से दर्शाती थीं। (8) इन मूर्तियों के अर्थ को समझने के लिए इतिहासकारों को उनके पीछे की उन कहानियों से परिचित होना पड़ता है, जिनमें से कई पुराणों में दर्ज हैं। (9) पुराणों में दी गई अधिकांश जानकारी लोगों—पुजारियों, व्यापारियों और सामान्य पुरुषों और महिलाओं—के बीच की बातचीत के माध्यम से विकसित हुई, जो एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हुए अपने विचारों और विश्वासों को साझा करते थे। (10) उदाहरण के लिए, वासुदेव-कृष्ण मथुरा क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण देवता थे। सदियों के दौरान, उनकी पूजा देश के अन्य हिस्सों में भी फैल गई। (11) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये|) **अथवा** **(ख)प्राचीन संघों में बौद्ध धर्म के अनुयायियों के जीवन का वर्णन कीजिये |** (1) जैसे-जैसे बुद्ध के शिष्यों का दल बढ़ता गया, उन्होंने संघ की स्थापना की, जो भिक्षुओं का एक संगठन था। (2) ये भिक्षु भी धम्म के शिक्षक बन गए। (3) ये भिक्षु बहुत सादा जीवन जीते थे। उनके पास जीवन निर्वाह के लिए केवल आवश्यक वस्तुएं ही होती थीं, जैसे कि उपासकों से दिन में एक बार भोजन प्राप्त करने के	92-93	8

	लिए एक कटोरा। (4) चूँकि वे भिक्षा पर निर्भर थे, इसलिए उन्हें भिक्खु कहा जाता था। (5) शुरुआत में संघ में केवल पुरुषों को ही अनुमति थी, लेकिन बाद में महिलाओं को भी प्रवेश दिया जाने लगा। (6) बुद्ध की उपमाता महाप्रजापति गौतमी संघ में शामिल होने वाली पहली महिला थीं जिन्हें 'भिक्खुनी' के रूप में दीक्षित किया गया। (7) संघ में आने वाली कई महिलाएं धम्म की शिक्षिका बनीं और आगे चलकर 'थेरी' बनीं | ऐसी सम्मानित महिलाएं जिन्होंने निर्वाण या मुक्ति प्राप्त कर ली थी। (8) बुद्ध के अनुयायी कई सामाजिक समूहों से आए थे—जैसे राजा, धनी व्यक्ति, श्रमिक और दास आदि। (9) संघ के भीतर आने के बाद सभी को समान माना जाता था, क्योंकि भिक्खु और भिक्खुनी बनने पर उन्हें अपनी पुरानी सामाजिक पहचान को त्यागना पड़ता था। (10) संघ का आंतरिक संचालन गणों और संघों की परंपरा पर आधारित था, जहाँ चर्चाओं के माध्यम से आम सहमति बनाई जाती थी। (11) नियमों के अनुसार, जब कोई भिक्खु एक नया कंबल बनाता था, तो उसे कम से कम छह साल तक रखना पड़ता था। एक भिक्खु केवल 2-3 कटोरे भोजन ही स्वीकार कर सकता था और उसे अपना बिस्तर स्वयं लगाना पड़ता था। (11) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये|)		

29	**(क) सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के दौरान भारत के उत्तरी भाग में वनवासियों के जीवन की परख कीजिये।** (1) घने जंगल या झाड़ीदार भूमि(खरबंदी) पूर्वी भारत, मध्य भारत, उत्तर भारत , भारत-नेपाल सीमा पर तराई सहित, झारखंड और प्रायद्वीपीय भारत में पश्चिमी घाट और दक्कन के पठार तक मौजूद थे। (2) समकालीन स्रोतों पर आधारित अनुमानों से पता चलता है कि औसत रूप से 40 प्रतिशत क्षेत्र जंगलों से ढका था। (3) समकालीन ग्रंथों में जंगल में रहने वालों के लिए जंगली शब्द का प्रयोग किया गया है। हालाँकि, जंगली होने का अर्थ" सभ्यता "का अभाव नहीं था, जैसा कि आज के लोकप्रिय अर्थों में माना जाता है। (4) उनकी आजीविका जंगल के उत्पाद इकट्ठा करने, शिकार करने और स्थानान्तरीय खेती से आती थी। (5) ये गतिविधियाँ काफी हद तक मौसम के अनुसार होती थीं। उदाहरण के लिए, भीलों के बीच शरद और सर्दियों का समय शिकार के लिए उपयोग किया जाता था। (6) साथ ही वसंत का समय जंगल के उत्पाद इकट्ठा करने के लिए, गर्मियों का समय मछली पकड़ने के लिए और मानसून का समय खेती के लिए तय था। (7) राज्य के लिए जंगल एक उलटफेर वाली जगह थी – बदमाशों के लिए एक शरणस्थल (मवास)था । (8) जंगली लोगों से ली जाने वाली पेशकश में अक्सर हाथियों की आपूर्ति भी शामिल होती थी। (9) जंगल एक अच्छा बचाव (रक्षा कवच) प्रदान करते थे "जिसके पीछे परगना के लोग कड़े विद्रोही हो जाते थे और कर अदा करने से मुकर जाते थे"। (10) मुगल राजनीतिक विचारधारा में शिकार अभियान गरीबों और अमीरों सहित सबके लिए न्याय करने का	208-209	8

	राज्य के गहरे सरोकार का एक लक्षण था ,जिसके जरिए बादशाह अपनी तमाम प्रजा से जुड़ता था। (11) शिकार एक ऐसा विषय था जिसे दरबारी कलाकारों द्वारा अक्सर चित्रित किया जाता था। (12) चित्रकार अक्सर चित्र में कहीं न कहीं एक छोटा सा दृश्य डालने की तकनीक अपनाते थे जो एक सद्भावनापूर्ण शासन के प्रतीक के रूप में कार्य करता था। (13) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये|) **अथवा** **(ख) मुग़ल काल के दौरान कृषि उत्पादन के विविध पहलुओं की परख कीजिये |** (1) खेती दो मुख्य मौसमी चक्रों के इर्द-गिर्द संगठित थी—खरीफ (पतझड़) और रबी (वसंत)। (2) ज्यादातर क्षेत्रों में, उन इलाकों को छोड़कर जो सबसे अधिक सूखे या दुर्गम थे, साल में कम से कम दो फसलें पैदा होती थीं। (3) जहाँ बारिश या सिंचाई के साधनों ने पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की, वहाँ तो साल में तीन फसलें भी उगाई जाती थीं। (4) आईन में यह उल्लेख मिलता है कि दो मौसमों को मिलाकर मुगल प्रांत आगरा में 39 किस्म की फसलें और दिल्ली में 43 किस्म की फसलें पैदा होती थीं। बंगाल में अकेले चावल की 50 किस्में पैदा होती थीं। (5) कपास और गन्ने जैसी फसलें बेहतरीन जिंस-ए-कामिल (सर्वोत्तम फसलें (थीं। (6) मानसून भारतीय कृषि की रीढ़ था ,लेकिन कुछ ऐसी फसलें थीं जिनके लिए अतिरिक्त पानी की आवश्यकता होती थी।	198-201	8

	(7) सिंचाई परियोजनाओं को राज्य का समर्थन भी प्राप्त था। उदाहरण के लिए, उत्तर भारत में राज्य ने नई नहरों (नहर, नाला) की खुदाई करवाई और शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान पंजाब में **शाहनहर** जैसी पुरानी नहरों की मरम्मत भी करवाई। (8) मध्य भारत और दक्कन के पठार के एक बहुत बड़े भू-भाग पर कपास उगाई जाती थी, जबकि बंगाल अपनी चीनी के लिए प्रसिद्ध था। (9) नकदी फसलों में तिलहन और दलहन (दालें) भी शामिल थीं। यह दर्शाता है कि किस प्रकार निर्वाह और व्यावसायिक उत्पादन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए थे। (10) सत्रहवीं शताब्दी के दौरान दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कई नई फसलें भारतीय उपमहाद्वीप में पहुँचीं, जैसे कि मक्का। (11) सत्रहवीं शताब्दी के दौरान दुनिया के विभिन्न हिस्सों से मक्का जैसी कई नई फसलें भारतीय उपमहाद्वीप पहुंचीं। (12) टमाटर, आलू और मिर्च जैसी सब्जियाँ इस समय नई दुनिया से लाई गईं, साथ ही अनानास और पपीता जैसे फल भी आए। (13) यद्यपि खेती में श्रम की अधिकता थी, लेकिन किसान ऐसी तकनीकों का उपयोग करते थे जिनमें अक्सर पशुबल का इस्तेमाल होता था, जैसे लकड़ी का हल। (14) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
30	**(क) असहयोग आंदोलन ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनता को संगठित करने में किस हद तक सफल रहा? उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिये ।** (1)**असहयोग आंदोलन** एक जन आंदोलन था जिसमें	290-291	8

	सभी क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। (2) **असहयोग आंदोलन** को भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदायों, हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ लाने और औपनिवेशिक शासन को समाप्त करने के लिए खिलाफत आंदोलन से जोड़ा गया था। (3)इसमें किसान, मजदूर, छात्र, महिलाएँ, आदिवासी आदि शामिल थे। (4)छात्रों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। वकीलों ने अदालतों में जाने से इनकार कर दिया। (5)कई शहरों और कस्बों में मजदूर वर्ग हड़ताल पर चला गया, जिससे सत्तर लाख कार्यदिवसों का नुकसान हुआ। (6)स्वदेशी अपनाया गया और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। (7) विद्वानों ने पुरस्कार और उपाधियाँ लौटा दीं। (8) लोगों से ब्रिटिश सरकार के साथ सभी स्वैच्छिक संबंधों के त्याग करने के लिए कहा गया| (9)ग्रामीण इलाके भी नाराज़गी से भरे हुए थे। उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने जंगल के कानूनों का उल्लंघन किया| (10) अवध के किसानों ने कर अदा करने से मना कर दिया। (11 कुमाऊं के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों के लिए बोझा ढोने से मना कर दिया। (12) किसानों, श्रमिकों और अन्य लोगों ने औपनिवेशिक शासन के साथ" असहयोग "करने का आह्वान किया और उस पर अपने हितों के अनुकूल तरीकों से काम किया। (13)इसमें प्रतिवाद , परित्याग और आत्म-अनुशासन शामिल थे । यह स्वशासन के लिए एक प्रशिक्षण था | (14)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये|) **अथवा** **(ख) भारत के लिए गांधीजी के योगदान को समझने**	307-313	8

	में उनके राजनितिक जीवन के विभिन्न स्रोत किस प्रकार सहायक हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिये। (1) एक महत्वपूर्ण स्रोत महात्मा गांधी और उनके समकालीनों के लेख और भाषण हैं। (2) कई पत्र व्यक्तिगत तौर पर लिखे जाते थे, और इसलिए वे निजी होते थे, लेकिन कई बार वे आम जनता के लिए भी प्रकाशित किए जाते थे। (3) महात्मा गांधी नियमित रूप से अपनी पत्रिका 'हरिजन' में उन पत्रों को प्रकाशित करते थे जो अन्य लोग उन्हें लिखते थे। (4) महात्मा गांधी और उनके समकालीनों के भाषण भारत के प्रति उनके योगदान और विचारधारा को समझने में मददगार हैं। (5) उनकी आत्मकथाएँ हमें उनके अतीत का ब्यौरा देती हैं, जो मानवीय विवरणों के हिसाब से काफी समृद्ध हैं। (6) एक अन्य महत्वपूर्ण स्रोत सरकारी रिकॉर्ड हैं, क्योंकि औपनिवेशिक शासक उन लोगों पर कड़ी नज़र रखते थे जिन्हें वे सरकार का आलोचक मानते थे। (7) उस समय पुलिसवालों और दूसरे अधिकारियों द्वारा लिखी गई रिपोर्टें गोपनीय रखी जाती थीं, जिन्हें अब अभिलेखागारों (Archives) में देखा जा सकता है। (8) उस समय की पाक्षिक रिपोर्टों (Fortnightly Reports) से पता चलता है कि गृह विभाग यह मानने को तैयार नहीं था कि महात्मा गांधी के कार्यों के प्रति जनता में कोई उत्साहजनक प्रतिक्रिया थी। (9) नमक सत्याग्रह को औपनिवेशिक शासकों द्वारा एक नाटक, एक शरारत और उन लोगों को लामबंद करने के एक हताश प्रयास के रूप में देखा गया जो ब्रिटिश राज के अधीन खुश थे। (10) एक और ज़रूरी स्रोत समकालीन अखबार हैं, जो अंग्रेज़ी और विभिन्न भारतीय भाषाओं में छपते थे। ये अखबार गांधीजी की गतिविधियों पर नज़र रखते थे और यह भी बताते थे कि आम भारतीय उनके बारे में क्या		

	सोचते थे। (11) तस्वीरों, चित्रों और चलचित्रों से यह पता चलता है कि जनता के बीच महात्मा गांधी की छवि कैसी थी यानी लोग उन्हें किस रूप में देखते थे। (12)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
	खण्ड घ **स्रोत आधारित प्रश्न**		**3x4=12**
31	**1857का विद्रोह** **(31 .1) विद्रोहियों के लिए बहादुर शाह की भागेदारी क्यों महत्वपूर्ण थी?** (a)वह एक मुगल बादशाह थे और विद्रोह के लिए राजनातिक वैधता ज़रूरी थी। (b) अब विद्रोह मुगल सम्राट के नाम पर किया जा सकता था। (c) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये) **(31 2.) दिल्ली में विद्रोहियों की कार्रवाइयों से ब्रिटिश नियंत्रण के टूटने का पता कैसे चलता है ?** (a) अंग्रेज सिपाही मारे गए और विद्रोही लाल किले में घुस गए। (b) बड़ी संख्या में यूरोपियन मारे गए (c) दिल्ली के अमीरों पर हमला किया गया और उन्हें लूटा गया। (d)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये) **(31 3.) इस विद्रोह में सिपाहियों और धार्मिक भावनाओं ने किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई? स्पष्ट कीजिये ।**	258	1 1 2

	(a)गाय और सुअर की चर्बी में लिपटे कारतूस सिपहियों में असंतोष का कारण थे| (b)सिपाहियों को गाय और सुअर की चर्बी से लिपटे कारतूस दांतों से खींचने के लिए मजबूर करना (c)इससे हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के धर्म भ्रष्ट होने का भय (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये)		
32	**विवाह के आठ प्रकार** **(32 .1) पहली विवाह पद्धति में आभूषण और महंगे वस्त्र क्यों दिए जाते थे ?** (a)गहने और कपड़े वर वधू के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं। (b)वर वधू को आर्थिक सहायता देने के लिए । (c) क्योंकि यह सीधे तौर पर सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा था। (d)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये| **(32.2) चौथी विवाह पद्धति में पिता द्वारा वर का सम्मान करने के पीछे अन्तर्निहित विचार की व्याख्या कीजिये ।** (a) इसमें पिता की मंज़ूरी और आशीर्वाद झलकता था (b) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(32 .3) इन विवाहों ने बाद के भारतीय समाज की सामाजिक प्रथाओं को कैसे प्रभावित किया?** (a) विवाहों में अनुष्ठानो का प्रचलन (b) दहेज प्रथा (c) विवाह में धन की भूमिका (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये|	58	1 1 2

33	**एक राक्षसी ?** **(33 .1)कराइक्काल अम्मइयार कौन थी ?** कराइक्काल अम्मइयार शिव की एक नयनार महिला भक्त थीं । **(33 .2)इस कविता में भगवान शिव का वर्णन कैसे किया गया है?** (a) शिव को एक ऐसे देवता के रूप में वर्णित किया गया है जो अपने शांत अंगों के साथ सभी आठों दिशाओं में जटाओं को बिखेरकर नृत्य करते हैं। **(33 .3)कविता में दर्शाए गए केंद्रीय विरोधाभास का विश्लेषण कीजिये ।** (*a*) स्त्री सौंदर्य और राक्षस जैसी संरचना (b) उसने संसार का त्याग कर दिया (*c*) पितृसत्तात्मक मानदंडों की अवज्ञा। (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)	145 –144	1 1 2
	खंड ड. **(मानचित्र आधारित प्रश्न)**		**3+2=5**
34	**(34.1)भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र (पृष्ठ 27 पर) में , निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिये और उनके नाम लिखिए** (i) कालीबंगन – विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) अजंता – प्राचीन बौद्ध स्थल (iii)(a) पानीपत – मुगलों के अधीन क्षेत्र **अथवा** (*b*) गोलकोंडा – मध्यकालीन राज्य **(34.2) भारत के इसी राजनितिक रेखा मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन से सम्बंधित दो केन्द्रों को 'A' और 'B' से अंकित किया गया है। उनको पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची**	2 95 174 214 289	1 1 1 1 2

	गई रेखाओं पर लिखिए ।		
	नोट :निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र.सं. 34 के स्थान पर है;		1
	(34.1) पाकिस्तान में किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए। हड़प्पा /बालाकोट / आमरी / मोहनजोदड़ो (किसी एक का उल्लेख कीजिये)	2	1
	(34.2) बिहार में स्थित एक प्राचीन बौद्ध स्थल का उल्लेख कीजिए। बोधगया /कुशीनगर	95	1
	(34.3)(a) किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए जो मुगल साम्राज्य के अधीन था। अजमेर /पानीपत/ आगरा/दिल्ली (किसी एक का उल्लेख कीजिये)	174	1
	अथवा **() (34.3)(b) विजयनगर साम्राज्य के किसी एक पड़ोसी साम्राज्य का नाम बताइए ।** बीजापुर / गोलकोंडा / बीदर / वारंगल (किसी एक का उल्लेख कीजिये)	214	2
	(34.4) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केन्द्रों के नाम लिखिए। चंपारण / चौरी-चौरा / बॉम्बे / अमृतसर / कलकत्ता / खेड़ा /दांडी (किन्ही दो का उल्लेख कीजिये)	287-305	

प्रश्न सं. 34 के लिए

For question no. 34

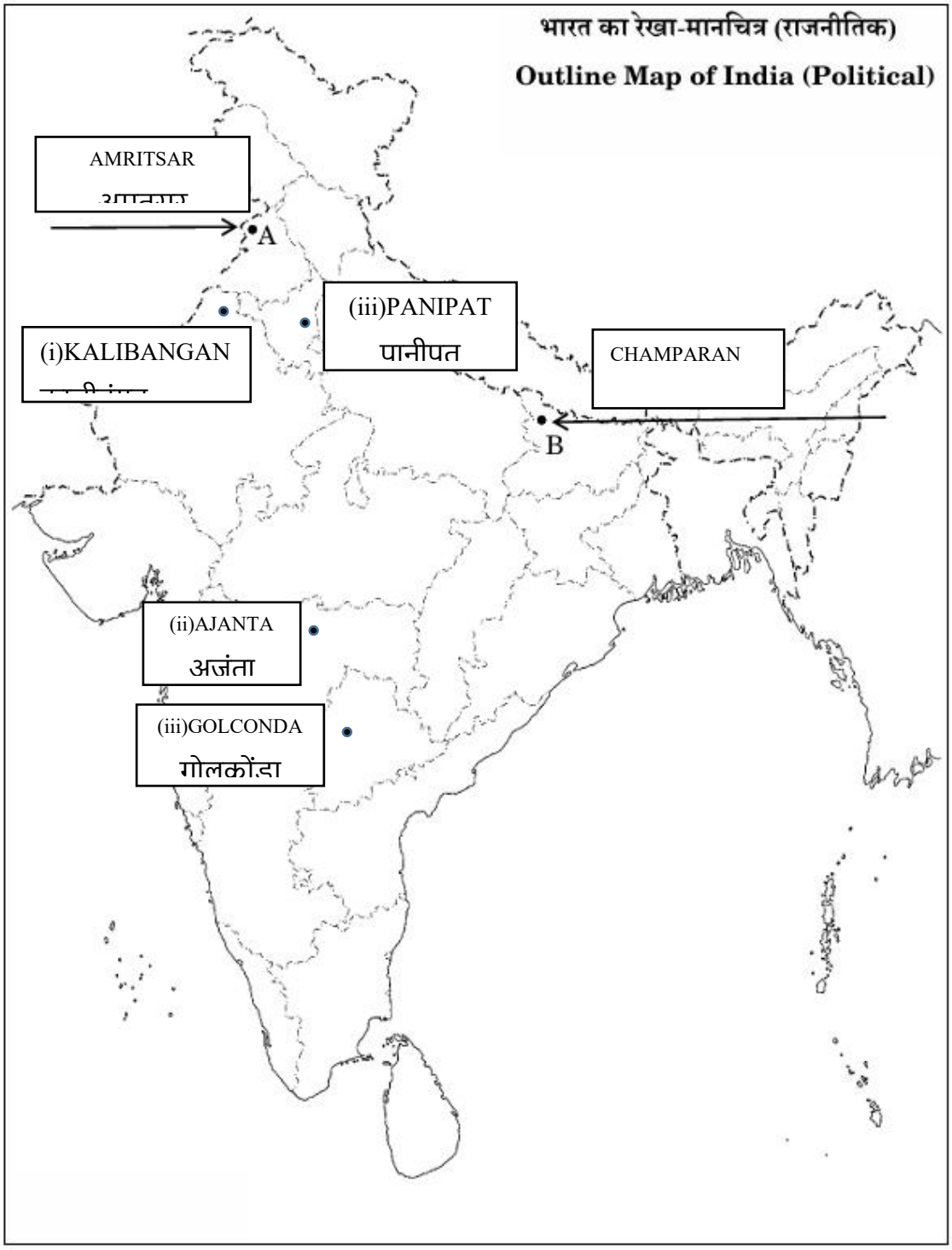

HISTORY -61/5/2		
Paper Name: History		**Syllabus: 2026**